S.Y.B.A. (Skill)

10-23/02/23

भाषिक संप्रेषण - एक कला

भाषा विचारों और भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। भाषा मनुष्य को मनुष्य और समाज से जोड़ती है। मनुष्य विचारशील और संवेदनशील प्राणी है। ये दोनों तत्व मनुष्य को अमरत्व प्रदान करते हैं। और दोनों तत्वों को शाश्वतता प्रदान करने की शक्ति भाषा में है।

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। उसे विचार-विनिमय के लिए भाषा का प्रयोग करना पड़ता है। मनुष्य के सारे व्यवहार भाषा पर आधारित होते हैं।

संप्रेषण मनुष्य की अनिवार्य आवश्यकता है। यह सामाजिक जीवन का आधार है। संप्रेषण प्रक्रिया बहुत पुरानी है। संप्रेषण से तात्पर्य है - भाव, विचार, सूचना, संदेश आदि को एक इकाई से दूसरी इकाई तक पहुँचाना और प्रतिक्रिया प्राप्त करना। हिंदी में प्रयुक्त संप्रेषण शब्द अंग्रेजी के 'Communis' से बना है। संप्रेषण के माध्यम से एक व्यक्ति, दूसरे व्यक्ति के विचारों, भावनाओं एवं मनोवृत्तियों में सहभागी होता है। एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को प्रभावित करता है। भाषिक संप्रेषण लिखित और मौखिक दोनों प्रकार के होते हैं। मौखिक संप्रेषण में संवाद, साक्षात्कार, वक्तृत्व होते हैं। तथा लिखित संप्रेषण में सरकारी, अर्धसरकारी पत्र, रिपोर्ट लेखन, नोट, टिप्पणी ई-मेल और ब्लॉग आदि।

Prof. S. L. Ray
Dept of Hindi

S.Y.B.A. (Hindi - Skill) 2022/23

Student's Name

1) आदित्य रत्नाकर बैसाणे
2) साहिल इब्राहिम शेख
3) मुस्कान इब्राहिम शेख
4) कविता सुभाष धनगर
5) मधुरी कैलास धनगर
6) पवार वैष्णवी राजेंद्र
7) दाभाडे ऋषीकेश नंदलाल